पाठ 15. दो कलाकार

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ दो कलाकारों की कला को प्रस्तुत कर रहा है। एक कलाकार वह है जो रंग और तूलिका से जीवंत आकृति बनाती है तथा दूसरी कलाकार वह है जो किसी बेसहारा को अपनाकर उसे नया जीवन देती है। इस पाठ का उद्देश्य बच्चों को यह समझाना है कि कलाकार कैसा भी हो, वह सम्मान का हकदार होता है।

पाठ का सारांश

चित्रा एक चित्रकार है और अरुणा एक समाज सेविका। दोनों सहेलियाँ हॉस्टल में एक साथ रहती हैं। दोनों के बीच अपने-अपने उद्देश्यों को लेकर अकसर बहस होती रहती है। अरुणा लोगों की सेवा करके सुख पाती है तो चित्रा हर घटना पर कोई न कोई चित्र बनाकर। चित्रा हिंदुस्तान छोड़कर विदेश चली जाती है। जाते-जाते वह एक मृत भिखारिन और उसके बच्चों का चित्र बनाती है। उसका वह चित्र देश-विदेश में सराहा जाता है और देखते ही देखते चित्रा एक मशहूर चित्रकार बन जाती है। एक बार चित्रा के बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी दिल्ली में लगती है। जिसे देखने के लिए अरुणा भी आती है। चित्रा यह जानकर दंग रह जाती है कि भिखारिन और उसके बच्चों के जिस मार्मिक चित्र पर चित्रा को प्रशंसा मिल रही थी, अरुणा ने उन्हीं बच्चों को अपना लिया है।

अध्यापन संकेत

पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ के महत्त्वपूर्ण गद्यांश या मुख्य बिंदुओं का भाव बच्चों को समझाएँ। उनसे पूछें, कि यह कहानी क्या कहना चाहती है अर्थात् कहानी का मूल भाव क्या है?

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- आपकी दृष्टि से सच्चे कलाकार में क्या गुण होने चाहिए? अथवा आप एक सच्चा कलाकार किसे कहोगे?
- एक चित्रकार द्वारा कैनवास पर बनाई गई कोई भी आकृति, क्या केवल उसकी कल्पना मात्र होती है! क्या उसमें उस चित्रकार की आत्मा या मर्म (भावना) का अंश मात्र भी नहीं झलकता? इस बारे में आप क्या लगता है?
- अरुणा ने भिखारिन के बच्चों को अपना लिया परंतु यदि ऐसी स्थिति दोबारा आ जाए तब वह क्या करेगी? अरुणा की जगह स्वयं को रखकर अपने विचार प्रकट कीजिए।
- आधुनिक चित्रकला (मॉडर्न आर्ट) के बारे में आप क्या जानते हो?
- बच्चों को बताएँ, आधुनिक कला में एक चित्रकार चित्रों को पारंपरिक रूप में न बनाकर, उस रूप में चित्रित करता है जिस रूप में वह आस-पास की वस्तुओं को समझता या आत्मसात करता है। यह चित्रण उस वस्तु के मूल रूप-रंग से मिलता-जुलता या बिलकुल भिन्न हो सकता है। इससे कलाकार की एक विशेष शैली का परिचय मिलता है।
- कुछ आधुनिक चित्रकारों के नाम भी पूछ सकते हैं जैसे – एम.एफ. हुसैन, जामिनी राय, अंजलि इला मेनन, सतीश गुजराल, राजा रवि वर्मन।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।